अध्याय – 4

भारत में खाद्य सुरक्षा

याद रखने योग्य बातें :–

- खाद्य सुरक्षा से अभिप्राय सभी लोगों के लिए सदैव भोजन की उपलब्धता पहुँच और उसे प्राप्त करने का सामर्थ्य से है।
- राष्ट्रीय आपदाओं के समय अनाज की कमी से अन्य वर्गो पर भी इसका असर होता है।
- आपदा से खाद्य सुरक्षा का प्रभावित होना, सूखा तथा अनाज की कमी, कीमतों में वृद्धि, भुखमरी, अकाल के समय खाद्य सुरक्षा प्रभावित होती है।
- खाद्य असुरक्षित कौन? क) भूमिहीन ख) पारंपरिक दस्तकार ग) निरक्षर घ) भिखारी ड) अनियमित श्रमिक आदि च) अनुसूचित जन जातियाँ (आदिवासी) सर्वाधिक असुरक्षित है।
- खाद्यान्नों में आत्मनिर्भरता – स्वतंत्रता के पश्चात् भारतीय नीति – निर्माताओं ने खाद्यान्नों में आत्म निर्भरता प्राप्त करने के सभी उपाय किए। हरित क्रांति से यह आत्मनिर्भरता संभव हो पाई।
- भारत में खाद्य सुरक्षा – सरकार द्वारा सावधानिपूर्वक तैयार की गई खाद्य सुरक्षा व्यवस्था के कारण देश में अनाज की उपलब्धता और भी सुनिश्चित हो गई है।
- बफर स्टॉक – भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से सरकार द्वारा अधिप्राप्त अनाज, गेहूँ, और चावल के भंडार को बफर स्टॉक कहते है।
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली – भारतीय खाद्य निगम द्वारा अधिप्राप्त अनाज को सरकार विनियमित राशन दुकानों के माध्यम से समाज के गरीब वर्गो में वितरित करती है। इसे सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी0डी0एस0) कहते है।
- सहकारी समितियों की खाद्य सुरक्षा में भूमिका – भारत में सहकारी समितियों भी खाद्य सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।
- तमिलनाडू में राशन की दुकाने, दिल्ली में मदर डेयरी और गुजरात में अमूल सफल सहकारी समितियों के उदाहरण है।

- मौसमी भूखमरी – जब खेतों में फसल पकने और फसल कटने के चार महीने तक कोई काम नहीं होता तो मौसमी भूखमरी की स्थिति पैदा हो जाती है।
- दीर्घकालिक भूखमरी – जब आहार की मात्रा निरंतर कम हो या गुणवत्ता के आधार पर कम हो।

1 अंक वाले प्रश्न :–

1. खाद्य सुरक्षा से क्या अभिप्राय है?
2. भारत में सबसे भयानक अकाल कब पड़ा था?
3. सर्वाधिक खाद्य असुरक्षित 4 राज्यों के नाम लिखिए?
4. भुखमरी के प्रकार कौन से है?
5. भारत में खाद्य सुरक्षा के दो घटक कौन कौन से हैं?
6. बफर स्टॉक क्या है?
7. सार्वजनिक वितरण प्रणाली किसे कहते है?
8. राशन कार्ड के विभिन्न प्रकार कौन–कौन से है?
9. सामान्य वर्ग कब खाद्य असुरक्षा से ग्रस्त हो सकता है?
10. भारत में राशन व्यवस्था कब आरम्भ की गई?
11. रोज़गार कार्यक्रम क्यों आयोजित किए जाते हैं?
12. राशन की दुकानें क्यों जरूरी है?

3 अंक वाले प्रश्न :–

1. भारत में खाद्य सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाती है?
2. खाद्य सुरक्षा के आयामों का वर्णन कीजिए।
3. न्यूनतम समर्थित कीमत किसे कहते है?
4. हरित क्रांति का खाद्य सुरक्षा पर क्या प्रभाव पड़ा? व्याख्या कीजिए।
5. भारत में लोगों का एक वर्ग अब भी खाद्य से वंचित है व्याख्या किजिए।
6. मौसमी भुखमरी और दीर्घकालिक भुखमरी में अन्तर किजिए।
7. सार्वजनिक वितरण प्रणाली की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए।
8. भारतीय खाद्‌य सुरक्षा अधिनियम 2013 की विशेषताएँ बताएँ।
9. अत्योदय अन्य योजना की विशेषताएँ लिखें।

5 अंक वाले प्रश्न :–

1. आपदा के समय खाद्य सुरक्षा कैसे प्रभावित होती है? व्याख्या कीजिए।
2. सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लाभों का वर्णन कीजिए।
3. राशन की दुकानों को चलाने में कौन–कौन सी समस्याएँ आती हैं
4. गरीबों को खाद्य सुरक्षा देने के लिए सरकार ने कौन–कौन सी योजनाएँ लागू की हैं?
5. खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराने में सहकारी समितियों की क्या भूमिका रही है?
6. स्वतंत्रता के पश्चात् भारतीय नीति निर्माताओं ने खाद्यान्नों में आत्मनिर्भता प्राप्त करने के लिए क्या–क्या उपाय किए?

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :–

1. खाद्य सुरक्षा से अभिप्राय है , सभी लोगों के लिए सदैव भोजन की उपलब्धता, पहुँच और उसे प्राप्त करने का सामार्थ्य।
2. भारत में सबसे भयानक अकाल 1943 में बंगाल में पड़ा था। इसमें 30 लाख लोग मारे गए थे।
3. बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल
4. दीर्घकालिक भुखमरी तथा मौसमी भुखमरी
5. i) बफर स्टॉक।

   ii) सार्वजनिक वितरण प्रणाली।
6. बफर स्टॉक भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से सरकार द्वारा अधिप्राप्त अनाज गेहूँ और चावल का भंडार है।
7. भारतीय खाद्य निगम के द्वारा अधिप्राप्त अनाज को सरकार विनियमित राशन दुकानों के माध्यम से समाज के गरीब तबको में वितरित करती है। यह सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी.डी.एस) कहलाती है।
8. निर्धनों में भी निर्धन लोगों के लिए अंत्योदय कार्ड। निर्धनता रेखा से नीचे लोगों के लिए बी.पी.एल. कार्ड। अन्य लोगों के लिए ए.पी.एल. कार्ड।
9. भूकंप, सूखा, बाड़, सुनामी, फसलों के खराब होने से पैदा हुए अकाल आदि के समय सामान्य लोग भी खाद्य असुरक्षा से ग्रस्त हो सकते है।
10. 1940 में
11. निर्धनता रेखा से नीचे रहने वाले लोगों को ख़ाद्य सुरक्षा देने हेतु।

12. उचित दर वाली दुकानें चीनी खाद्यान्न और मिट्‌टी के तेल के भण्डार होती हैं जिसे बाज़ार कीमत की अपेक्षा कम कीमत पर बेचा जाता है।

3 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :–

1. भारत में खा़द्य सुरक्षा निम्नलिखित प्रकार से सुनिश्चित की जाती है।
   i) हरित क्रांति के पश्चात देश भर में उपजाई जाने वाली विविध फसलों से भारत खाद्यान्नों के मामले में आत्मनिर्भर हो गया है।
   ii) बफर स्टॉक
   iii) सार्वजनिक वितरण प्रणाली

2. खाद्य सुरक्षा के निम्नलिखित आयाम है –
   i) **खाद्य उपलब्धता** :– देश में सरकारी अनाज भंडारों में संचित पिछले वर्षों के स्टॉक से है।
   ii) **पहुँच**:– कि लोगों के पास अपनी भोजन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध है।
   iii) सामर्थ:– कि लोगों के पास अपनी भोजन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध हो।

3. न्यूनतम समर्थित कीमत :–
   i) भारतीय खाद्य निगम अधिशेष उत्पादन करने वाले राज्यों में किसानों से गेहूँ और चावल खरीदता है।
   ii) किसानों को अपनी फसलों के लिए बुआई के मौसम से पहले से घोषित कीमते दी जाती है।
   iii) फसलों के उत्पादन के प्रोत्साहन देने के उद्‌देश्य से सरकार समर्थित मूल्य की घोषणाा करती है।

4. हरित क्रांति का खाद्य सुरक्षा पर प्रभाव :
   i) हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना दिया हैं

ii) हरित क्रांति के आने के बाद से मौसम की विपरीत दशाओं के दौरान भी देश में अकाल नहीं पड़ा।

iii) अनाज का उत्पादन बढ़ाने के परिणाम स्वरूप अनाज की उपलब्धता सुनिश्चित हो गई।

5. i) एफ.सी.आई के भंडार अनाज से भरे है परन्तु यहाँ अनाज को सुरक्षित नहीं रखा जाता है। कहीं पर अनाज सड़ रहा है तो कहीं पर चूहे अनाज खा रहे हैं।

ii) बफर स्टॉक न्यूनतम बफर प्रतिमान से अधिक होने के कारण बर्बाद हो जाता है।

iii) सार्वजनिक वितरण प्रणाली भी अपने उद्देश्य में सफल नहीं रही।

6. i) मौसमी भुखमरी फसल उपजाने और काटने के चक्र से संबंधित है। दीर्घकालिक भुखमरी अपर्याप्त आहार ग्रहण करने के कारण होती है।

ii) मौसमी भुखमरी कृषि क्रियाओं की मौसमी प्रकृति के कारण होती है। दीर्घकालिक भुखमरी खाद्य पदार्थ खरीदने में अक्षमता के कारण होती है।

7. सार्वजनिक वितरण प्रणाली की विशेषताएँ :–

i) भारतीय खाद्य निगम द्वारा अधिप्राप्त अनाज की सरकार विनियमित राशन दुकानों के माध्यम से समाज के गरीब वर्गो में वितरित करती है।

ii) अधिकांश क्षेत्रों, गाँवों, कस्बों और शहरों में राशन की दुकानें हैं। देशभर में लगभग 5.5 लाख राशन की दुकानें हैं।

iii) राशन कार्ड रखने वाला कोई भी परिवार प्रतिमाह इनकी एक अनुबंधित मात्रा (जैसे 35 किलोग्राम अनाज 5 लीटर मिट्टी का तेल, 5 किलोग्राम चीनी आदि) निकटवर्ती राशन की दुकान से खरीद सकता है।

8. I) उद्देश्य – मानव का गरीमामय जीवन निर्वाह।

ii) इसके तहत खाद्य एवं पोषण संबंधी सुरक्षा सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराना।

iii) इस अधिनियम के तरह 75 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या एवं 50 प्रतिशत शहरी जनसंख्या को लाभान्वित परिवारों में शामिल किया गया है।

9. i) दिसंबर 2000 में प्रारंभ।

ii) निर्धनता रेखा के नीचे वाले परिवार शामिल हैं।

iii) 2 रू. प्रति किलोग्राम गेहूँ और 3 रू. प्रति किलोग्राम की दर से प्रत्येक परिवार को 35 किलोग्राम अनाज

iv) सर्वाजनिक वितरण प्रणाली (पी.डी.एस.) के द्वारा अनाजों का वितरण।

5 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर :–

1. I) प्राकृतिक आपदा जैसे सूखे के कारण खाद्यान्न की कुल उपज में गिरावट आती है जिससे प्रभावित क्षेत्र में अनाज की कमी हो जाती है।

ii) खाद्यान्न की कमी से कीमतों में वृद्धि हो जाती है।

iii) कुछ लोग ऊँची कीमतों पर खाद्य पदार्थ नहीं खरीद सकते क्योंकि वे आर्थिक रूप से कमज़ोर होते हैं।

iv) अगर आपदा अधिक देर तक रहे तो भुखमरी की स्थिति बन जाती है और अकाल पड़ सकता है।

v) अकाल के कारण भुखमरी, महामारी फैलने से असंख्य लोगों की मृत्यु होती है।

2. I) मूल्यों को स्थिर रखने में सहायता।

ii) सामर्थ्य अनुसार कीमतों पर उपभोक्ताओं को खाद्यान्न उपलब्ध कराने में सफलता।

iii) कमी वाले क्षेत्रों में खाद्य पूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका।

iv) अकाल और भुखमरी की व्यापकता को रोकने में सहायता।

v) निर्धन परिवारों के पक्ष में कीमतों का संशोधन।

3. i) राशन की दुकान चलाने वाले लोग अनाज को अधिक लाभ कमाने के लिए खुले बाज़ार में बेचते हैं।

ii) राशन की दुकानों पर घटिया अनाज की बिक्री।

iii) राशन की दुकानों पर उचित समय पर न खुलकर कभी कभार खुलती हैं।

iv) घटिया अनाज की बिक्री नहीं होती है तो भारतीय खाद्य निगम के गोदामों में विशाल स्टॉक जमा हो जाता है।

v) निर्धनता रेखा से ऊपर वाले परिवार खाद्यान्न की कीमत में बहुत कम छूट के कारण इन चीज़ों की खरीदारी नहीं करते।

5. I) रोज़गार गारंटी योजना।

ii) दोपहर का भोजन।

iii) संपूर्ण ग्रामीण रोज़गार योजना।

iv) एकीकृत बाल विकास योजना।

v) काम के बदले अनाज।

vi) गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम।

(विद्यार्थी प्रत्येक के विषय में स्वयं लिखें)

vii) अंत्योदय अन्न योजना (ए.ए.वाई)

viii) अन्नपूर्णा योजना (ए.पी.एस.)

6. 1) सहकारी समितियाँ निर्धन लोगों को खाद्यान्न की बिक्री हेतु कम कीमत वाली दुकानें खोलती है।

2) समाज के अलग–अलग वर्गों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

3) अनाज बैंको की स्थापना हेतु गैर–सरकारी संगठनों के नेटवर्क में मदद करती है।

4) ए.डी.एस. गैर – सरकारी संगठनों हेतु खाद्यान्न सुरक्षा के विषय में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम संचालित करती है। (ए.डी.एस.–एकेडमी ऑफ डेवलपमेंट सांइस)

5) उदाहरण :–

- तमिलनाडू में राशन की दुकानें।
- दिल्ली में मदर डेयरी दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित दरों या दूध सब्जियाँ उपलब्ध कराती है।
- गुजरात में अमूल दूध ने श्वेत क्रांति ला दी है।
- महाराष्ट्र में खोले गए अनाज बैंक।

7. i) भारत सरकार ने कृषि की स्थिति सुधारने के लिए विभिन्न प्रौद्योगिकीय और संस्थापन सुधार किए।

ii) प्रथम पंच वर्षीय योजना में कृषि को महत्व दिया गया।

iii) कम उपजाऊ भूमि को भी खेती योग्य बनाने के लिए कदम उठाए गए।

iv) नए और अधिक उपज देने वाले नए बीज तैयार किए गए।

v) सिंचाई सुविधाएँ एवं कृषि के मशीनीकरण ने कृषि उत्पादन को क्रांन्तिकारी बना दिया।